

DPN 6214

Title : (~~ज्योतिष ग्रन्थ~~) / (JYOTISAGRAVTHA)

Run. No. 6905

Cat. No.

Micro. No.

Subject ज्योतिष / Astrology

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.-New. / Maith.-New. / New.-Nep. /

Size in cms. 15.2 x 7.5

Folios 7

Lines (in a page , 8/9/10/

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

शिवरत्न स्थापित

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Condition : ~~fine~~ / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

इति ग्रहनाम समाप्तः ॥

रिप्पली : ग्रह पूजा जर्जन धनः नेपाल
मार्गः /

Remark : work materials requisites
for Planets worship .

[illegible]

खर्ग	गस्त	सवाद	सखडा
घुधिया॥तयू	जा	जाकू	कूड
आयया॥तायू	वाय	माकू	नयसाक
तजया॥कादू	धय	याकू	माय
वायया॥वाडू	सयीं	याडू	जायया
आयया॥हाकू	वत्रा	खायू	खंडन

मवतहनयूस यंतसदयासाय॥नववन कूदयक कादू मिमावा

ख जातक काय वृद्धि हन यंशत शनययून काया क वरु क वास
 व वाख वख जास काय ८ थुना थु शयित जूद कात्री कोय कडु कड
 द॥ ॥ यदहा दंदया कू स वात यायया॥ वास स वातित धीनशयी
 वा॥ कयया रंतुति सुधीनशयू॥ यदू तद्व धनित दुःखिशयू॥ स्मृत
 तातर्तवंश वातमरुयू॥ मरिंयनुग मत्रशयू॥ स्मिन्नक मयोन
 कल यासहागशयू॥ स्मिन्नक मयोन सवायू॥ यमूकू रंतु मरिंद
 दूदयतवतित ॥ गकू गयलिंद या ८ तवतित ॥ उवाटनया मरिं

ह्यदूतवनिव ॥ गवर्तमलिं प्रह वृक्षाधुतवनि ॥

[illegible][illegible]

अश्विनिया ॥ सत्रवादाना ॥ देवजात ॥ सत्रासत्त्व
 रुद्रनिया ॥ धृतरवादाना ॥ मनुष्यजात ॥ किंनि
 कुलिकया ॥ अश्विनिकृत्यन ॥ नाक्षत्र ॥ वात्रासत्त्व
 लोहितनया ॥ काचित्रमा ॥ मनुष्य ॥ नागसत्त्व
 समुगसित्र ॥ वरावादाना ॥ देवजात ॥ नागसत्त्व
 आद्याया ॥ विवादाना ॥ मनुष्यजात ॥ शिवाम
 यतेवसे ॥ यत्रभूत ॥ देवजात ॥ रुद्रिसत्त्व
 यषया ॥ धनकत्रम ॥ देवजात ॥ वात्रासत्त्व
 अश्विनिया ॥ देववादाना ॥ नाक्षत्र ॥ रुद्रिसत्त्व

मधया ॥ महावादाना ॥ नाक्षत्रजात ॥ वृषसत्त्व
 यषया ॥ लोहितवादाना ॥ मनुष्य ॥ वृ
 उरुत्रसन्धु ॥ लोहित ॥ मनुष्य ॥ मा
 लोहितया ॥ किंनिवादाना ॥ देवजा ॥ मध
 विवाद्या ॥ वृषसत्त्व ॥ नाक्षत्र ॥ धूमसत्त्व
 लोहितया ॥ धृतरवादाना ॥ देव ॥ मध
 विवाद्या ॥ रुद्रिवादाना ॥ नाक्षत्र ॥ धूमसत्त्व
 अश्विनार ॥ देववादाना ॥ देव ॥ वरा
 अश्विनया ॥ काचित्र ॥ नाक्षत्र ॥ वात्रा

ॐ कौशिक्यत्रकभूयुताखेदेदतिविषुवालो नष्टन्यन्या॥
 गो (ध) मे वा ऊ तं उ अ ना वा ही नं उ मो ला सा
 न न स स न न न न स स न न न न स स
 ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०
 गो गो वि (ध) मे य म य ल द नित्य गं य म कृष्णं त्रष्टयं
 (ध) मे वा ऊ तं उ अ ना वा ही नं य मो ला सा गो
 न न न न स स न न न न स स न न न न
 ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०

एषामवायद्वयं नानुदतिखगयुगलवीतवाष्मज्जलूना॥
 मे वा ऊ तं उ अ ना वा ही नं य मो ला सा गो (ध) मे
 स स न न न न स स न न न न स स न न
 ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०
 एषायाश्चर्मनिमात्रा म ऊ ख मा दं नाम अ य य अ ल या दं
 वा ऊ तं उ अ ना वा ही नं य मो ला सा गो (ध) मे
 न न स स न न न न स स न न न न स स
 ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०

15

सोमशुभनक्षत्रयुगगगलदतिमुनिवायानिसि
 उ न नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु
 न न न न स स न न न न स स न न न न
 ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०
 नकेयुमनक्षत्रयुगयुगलयदंष्ट्रा ४ खत्रायत्रकी ॥
 उ न नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु
 स स न न न न स स न न न न स स न न
 ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०

10

5

सोमशुभनक्षत्रयुगयुगलयदंष्ट्रा ४ खत्रायत्रकी ॥
 उ न नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु
 न न स स न न न न स स न न न न स स
 ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०
 दायाशुभेदिसुभदतिगनप्रतीयदनाहययाद
 उ न नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु नु
 न न न न स स न न न न स स न न न न
 ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०

0

CMS

5

10

15

20

2

